श्रीराधा हमारी खेलें होरी ...

श्रीराधा हमारी खेलें होरी, (ये) नवल किशोरी, धूम मची महलन में।
अब आयेगें नंद दुलारे, मोहन मतवारे, किशोरीजू के महलन में।।

आई नंद गाम की टोली, सब मिल बोलें होली होली,
सबसे आगे कुंवर कन्हाई, जाके माथे टीका रोली,
वाके नैन कजरारे और लट कारी कारी,
पीरो पीरो है पीताम्बर और कामरिया है कारी,
(ओ) बरसाने में बज्यो नगारो, शोर भयो भारो,
किशोरीजू के महलन में ... ।।1।।

बरसोन की गली रंगीली, वा मे व्है रही जोरा जोरी,
इत हैं नंद गाम के छोरा, उत हैं बरसाने की गोरी,
कोई घुंघटा की ओट में ते मारें नैन कटारी,
कोई तक तक मारें ऐसी रंग पिचकारी,
कोई नई दुल्हनिया प्यारी, चलावें लठ भारी,
किशोरीजू के महलन में ... ।।2।।

करके सोलह सिंगार चलीं भानु की दुलारी,
(ओ) जैसे तारों बीच चन्दा ऐसे सोहें राधा प्यारी,
ये तो चन्द्रिका की चांदनी सी रूप उजियारी,
श्यामा श्यामजू को निरखें, श्याम निरखें राधा प्यारी,
अब खेल रहें हैं गिरिधारी, राधिका प्यारी,
किशोरीजू के महलन में ... ।।3।।

http://www.govindbhargav.in